

Swasthya Spectrum

वर्ष-01 अंक-04 (त्रैमासिक)

दिनांक 15 मार्च 2024

पृष्ठ 8 मूल्य 10 रुपये

अतीत की धरोहर को वर्तमान से जोड़ने की सराहनीय कोशिश है नवसज्जित गोलघर-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शिल्पकला, संगीत और व्यंजनों के केन्द्र के रूप में विकसित गोलघर के नए स्वरूप का लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित स्मारक गोलघर जिसे पर्यटन विभाग ने बहुउद्देशीय कला केन्द्र के रूप में विकसित किया है, आमजन को समर्पित किया। डॉ. यादव ने कहा कि प्राचीन ज्ञान-विज्ञान के केन्द्र आज भी उपयोगी हो सकते हैं। अतीत की धरोहर गोलघर को वर्तमान से जोड़ने की पहल सराहनीय है। भोपाल में गोलघर का मूल नाम गुलशन-ए-आलम था, जिसे 19वीं सदी में नवाब शाहजहां बेगम ने बनवाया था। गोलघर के कारण इसे गोलघर के नाम से जाना जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुरातत्व और पर्यटन विभाग को प्राचीन विरासत गोलघर के नए स्वरूप में निर्माण और लोकार्पण के लिए बधाई देते हुए कहा कि गोलघर को देखने और इसके निर्माण की तकनीक को समझने की जरूरत है। नवसज्जित के पश्चात् निश्चित ही यह केन्द्र जनाकर्षण का केन्द्र बनेगा। इस अवसर पर विधायक श्री भगवान दास सबनानी,

भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व महापौर श्री आलोक शर्मा, श्री आशीष अग्रवाल, नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी और कला प्रेमी, नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गोलघर जैसी इमारतों के निर्माण के लिए अनूठी कल्पना की गई। अनेक प्राचीन निर्माण जिनमें बांध, स्मारक और किले शामिल हैं, उत्कृष्ट अभियांत्रिकी का नमूना होते हैं। जब भोजताल (भोपाल की बड़ी झील) का निर्माण किया गया तो, पानी के सुविधाजनक निकास की व्यवस्था भी की गई थी। कितनी ही ज्यादा बारिश हो जाए, भोपाल की बड़ी झील सीमा नहीं तोड़ती। मितव्ययी ढंग से झील का निर्माण हुआ था।

प्राकृतिक चट्टानों के उपयोग के साथ जल संपदा को सुरक्षित रखने पर ध्यान दिया गया। भोपाल की बड़ी झील का

है। यहाँ विभिन्न वस्तुओं की बिक्री की व्यवस्था इस केन्द्र को बहुउद्देशीय बनाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में

हुए प्राचीन बाजार की कल्पना को नए रूप में साकार किया गया है। इस भवन में अब आत्मा का प्रवेश हो गया है। यह स्मारक अब जीवंत हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों ने मध्यप्रदेश पुरातत्व, पर्यटन और संस्कृति परिषद द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का विमोचन भी किया। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट कर किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवसज्जित गोलघर का लोकार्पण कर विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीआर (वर्चुअल रियलिटी) हेडसेट द्वारा हिस्ट्री ऑफ भोपाल की झलक भी देखी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकला और माटी शिल्प से जुड़े राज सैनी, धीरज प्रजापति और अन्य कलाकारों से भेंट कर उनके कला प्रदर्शन देखे और उनके हुनर की प्रशंसा की। कार्यक्रम में पर्यटन निगम के प्रबंध संचालक श्री इलैया राजा.टी., पुरातत्व आयुक्त श्रीमती उर्मिला शुक्ला और अधिकारी उपस्थित थे।



सदियों से अस्तित्व है और आगे भी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गोलघर में विभिन्न निर्माण श्रेष्ठ इंजीनियरिंग के उदाहरण हैं। इस पुरानी धरोहर को जीर्णोद्धार के माध्यम से नया रूप दिया गया है। यह आनंदित करने वाला विषय

देते हुए शिल्पकारों को प्रोत्साहित किया गया है। प्रत्येक जिले की अपनी विशेषता होती है। देश के लगभग 700 जिलों में विभिन्न उत्पादों के प्रचार और विक्रय का कार्य हो रहा है। इस कड़ी में भोपाल के इस प्राचीन गौरव केन्द्र को महिलाओं के सशक्तिकरण से जोड़ते

समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं प्रधानमंत्री श्री मोदी-उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल



भोपाल। उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी प्रतिबद्ध हैं। अंतिम छोर के व्यक्ति को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए पीएम-सूरज पोर्टल का प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुभारंभ किया गया है। भारत सरकार की योजनाओं के साथ अन्य योजनाओं का पैसा गरीब के खाते में सीधे पहुंचेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज सामाजिक उत्थान एवं रोजगार आधारित जनकल्याण (पीएम-सूरज) पोर्टल का शुभारंभ किया। पोर्टल से वंचित वर्ग के हितग्राहियों को ऑनलाइन आवेदन करने पर विकास योजनाओं का सीधे लाभ मिलेगा। पोर्टल में विभिन्न विभागों की योजनाओं को शामिल किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल अटल बिहारी सामुदायिक भवन बिलौंजी, सिंगरौली से कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

सिंगरौली में 200 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण जल्द-उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा-सिंगरौली के बीच नवीन रेलवे लाईन का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग से विन्ध्य को उत्तर पूर्व से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा। उन्होंने कहा कि सिंगरौली को मेडिकल कॉलेज तथा माईनिंग कॉलेज की सौगात मिली है। मेडिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग कॉलेज भी सिंगरौली में संचालित किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सिंगरौली में 200 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण भी जल्द कराया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल और राज्य मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती राधा सिंह ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। विधायक श्री राम निवास शाह, श्री राजेन्द्र मेथ्राम, श्री विश्वामित्र पाठक, नगर निगम अध्यक्ष श्री देवेश पाण्डेय, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केजरीवाल ने भगवान राम का नाम राजनीतिक कारणों से लेकर श्रद्धालुओं को आहत किया-भाजपा नेता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि जब भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजनीतिक कारणों से भगवान राम का नाम लेते हैं, तो इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को विधानसभा में कहा कि अगर भगवान राम इस युग में होते तो भाजपा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को उनके पीछे भी लगा देती। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल के विधानसभा को संबोधित करते समय ऐसा लग रहा था कि जैसे वह कोई "हारी हुई लड़ाई" लड़ रहे हों।



अपनी गरिमा की रक्षा करना उच्चतम न्यायालय की जिम्मेदारी-कपिल सिब्बल

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने चुनावी बॉण्ड विवरण का खुलासा करने की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा बताए गए कारणों को "बचकाना" करार देते हुए कहा कि अपनी गरिमा की रक्षा करना उच्चतम न्यायालय की जिम्मेदारी है और जब संविधान पीठ फैसला सुना चुकी है तो एसबीआई की याचिका को स्वीकार करना "आसान नहीं होगा"।



चुनावी बॉण्ड योजना के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में मामले में याचिकाकर्ताओं के लिए दलीलें सिब्बल के नेतृत्व में पेश की गईं। उन्होंने कहा कि एसबीआई का दावा है कि डेटा को सार्वजनिक करने में कई सप्ताह लगेंगे, जिससे ऐसा लगता है कि "कोई किसी को बचाना चाहता है।" सिब्बल ने कहा कि यह स्पष्ट है कि एसबीआई का इरादा सरकार का बचाव करना है, अन्यथा बैंक ने चुनावी बॉण्ड विवरण का खुलासा करने

की अवधि 30 जून तक बढ़ाए जाने का ऐसे समय में अनुरोध नहीं किया होता जब अप्रैल-मई में चुनाव होने हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता की ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये ऐसे समय में की गई हैं जब एसबीआई के अनुरोध पर उच्चतम न्यायालय की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ सुनवाई करने वाली है। एसबीआई ने चुनावी बॉण्ड योजना को पिछले महीने रद्द किए जाने से पहले राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए दिए गए समय को बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है।

कांग्रेस से हो रहे पलायन को सिर्फ देखते रहने के लिए मजबूर क्यों हैं पार्टी के आला नेता?

कांग्रेस के दिग्गज एवं कद्दावर नेताओं में नाराजगी, हताशा एवं राजनीतिक नेतृत्व को लेकर निराशा के बादल लगातार मंडरा रहे हैं, पार्टी लगातार बिखराव एवं टूटन की ओर बढ़ रही है। पार्टी में उल्टी गिनती चल रहा है, लेकिन आश्चर्य इस बात को लेकर है कि इस उल्टी गिनती को रोकने के लिए कोई मजबूत उपाय नहीं हो रहे हैं। पार्टी से एक के बाद एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस का दामन छोड़ने में लगे हुए हैं, कांग्रेस छोड़ने वाले इन नेताओं में कुछ राहुल गांधी के खास रहे हैं तो कुछ सोनिया गांधी के। पहले कांग्रेस में गिनती वन, टू, श्री से होती थी। आजकल श्री, टू, वन से होती है। पार्टी को मजबूती देने एवं पार्टी छोड़ कर जाने वाले नेताओं को रोकने की गिनती कौन शुरू करेगा? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले देश में एकता यात्रा और उसके बाद अब न्याय यात्रा निकाल रहे हैं लेकिन वे पार्टी के भीतरी असंतोष एवं निराशा को रोकने का अभियान क्यों नहीं शुरू करते? क्या गांधी परिवार का अहंकार एवं परिवारवादी सोच ही पार्टी के टूटने का कारण है?

आगामी लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में बीते कुछ समय से शायद ही कोई दिन ऐसा बीता हो, जब किसी कांग्रेस नेता के पार्टी छोड़ने की खबर न आयी हो। गत दिवस गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी एवं पूर्व कांग्रेसी सांसद गजेन्द्र सिंह राजूखेड़ी समेत मध्य प्रदेश के कई कांग्रेसी नेता भाजपा में शामिल हो गए। इसके पहले गुजरात, असम, महाराष्ट्र और यहां तक कि केरल के भी नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। एक के बाद एक नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला यही बताता है कि उन्हें पार्टी में अपना भविष्य नहीं दिख रहा है, पार्टी नेतृत्व की अपरिपक्व एवं बचकाना राजनीति एवं देश-विकास की कोई स्पष्ट नीति न होना भी इन नेताओं के पार्टी छोड़ने का कारण है। राहुल गांधी के पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के खिलाफ कोई मजबूत विरोधी दावे नहीं हैं, चुनाव जीतने के लिये जिस तरह की राजनीति सोच एवं एजेंडा होना चाहिए, वह भी दिखाई नहीं दे रहा है। जातीय जनगणना, अदाणी-अंबानी, युवाओं, महिलाओं एवं गरीबों

की अनदेखी करने के खोखले एवं बेबुनियाद आरोप के अलावा और कुछ कहने को नहीं है। वे जिन समस्याएं की चर्चा करते हैं, उनका कोई कारगर समाधान उनके पास नहीं है। अक्सर वे समाजवादी और वामपंथी नीतियों की वकालत करते दिखते हैं, जो पहले ही नाकाम हो चुकी हैं। कांग्रेस की यह विडम्बनापूर्ण एवं बेजान स्थिति तब है, जब आम चुनावों की घोषणा होने ही वाली है। कांग्रेस से लगातार पलायन करते नेताओं की यह दर्दनाक स्थिति रेखांकित करती है कि पार्टी नेतृत्व अपने नेताओं को प्रेरित एवं रोक नहीं कर पा रहा है। इसके लिए सबसे अधिक दोषी राहुल गांधी और उनके इर्द-गिर्द के लोग हैं, जो भाजपा एवं मोदी सरकार को चुनौती देने के नाम पर घिसे-पिटे बयान देने में लगे हुए हैं।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस को रोज एक न एक झटका लग रहा है। उसके नेता कब उसका साथ छोड़ दें पता नहीं चलता। जैसे ही कोई चुनाव शुरू होता है, उसी समय से नेताओं का कांग्रेस छोड़कर जाना शुरू हो जाता है। क्या महाराष्ट्र, क्या मध्य प्रदेश, क्या कर्नाटक, सभी राज्यों से कांग्रेस के कई बड़े नेता या तो पार्टी छोड़ चुके हैं या छोड़ने की अटकलें लग रही हैं। राहुल गांधी के सबसे नजदीकी नेताओं में शामिल रहे दिग्गज भी अब भाजपा के साथ हैं तो वहीं कांग्रेस में सोनिया गांधी के करीबी माने जाने वाले नेताओं में से रीता बहुगुणा जोशी, कैप्टन अमरिंदर सिंह और गुलाम नबी आजाद भी बहुत पहले ही पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। कांग्रेस से युवा नेताओं का भी मोह भंग होता जा रहा है। इसका उदाहरण मिलिंद देवड़ा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, अल्पेश ठाकोर, हार्दिक पटेल, सुष्मिता देव, प्रियंका चतुर्वेदी, आरपीएन सिंह, अशोक तंवर जैसे नेता हैं, जो कांग्रेस से अलग हो चुके हैं। बिहार में अशोक चौधरी, असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा, सुनील जाखड़ के साथ अश्वनी कुमार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण जैसे भी नेता हैं जो पार्टी के काम

करने के तरीके से नाखुश होकर पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। ये वे नेता हैं जिन्हें कांग्रेस ने पहचान दी, केन्द्रीय मंत्री, राज्य में मंत्री बनाया, पार्टी में बड़े पदों पर बिठाया परन्तु पार्टी के मुश्किल वक्त में वो पार्टी छोड़कर भाग रहे हैं।

कांग्रेस के दिग्गज नेता जो पार्टी छोड़ चुके या छोड़ने की फिराक में हैं, वे नरेन्द्र मोदी एवं राहुल के बीच के फर्क को महसूस कर रहे हैं। कांग्रेसी नेता यह गहराई से देख रहे हैं कि राहुल किस तरह हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगाते हैं। इन नेताओं ने महसूस किया कि किन्हीं



राहुल रूपी गलतबयानी की वजह से मोदी की छवि पर कोई असर नहीं पड़ा है, भारत ही नहीं, समूची दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव निरन्तर प्रवर्द्धमान है। राहुल गांधी एवं उनके रणनीतिकारों की नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ परिवार के प्रति शाश्वत वैर-भाव एवं विरोध की राजनीति समझ में आती है लेकिन देश की छवि खराब करने, सरकार को कमजोर बता कर और मोदी जैसे कद्दावर नेता को खलनायक बनाने से उन्हें इज्जत नहीं मिलेगी। यह तो विरोध की हद है! नासमझी एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का शिखर है! उजालों पर कालिख पोतने के प्रयास हैं! इसकी कीमत कांग्रेस पार्टी अपने कद्दावर नेताओं को खोकर दे रही है।

दरअसल भाजपा के ताकतवर होने के बाद कांग्रेस ने कभी भी पार्टी के लगातार कमजोर पड़ते जाने को लेकर आत्मथन नहीं किया। कांग्रेस नीति और सिद्धांत भी संदेहास्पद होते चले गये हैं। ऐसे में भाजपा ने कांग्रेस के मजबूत किले में तोड़फोड़ करने में कसर बाकी नहीं रखी। भाजपा ने दोतरफ से कांग्रेस का घेराव किया। एक तरफ कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार और गलत नीतियों को न सिर्फ उजागर किया बल्कि कई दिग्गजों पर सीबीआई और ईडी की कार्रवाई भी करवाई। दूसरी तरफ भाजपा ने कांग्रेस में संधमारी करके

उसके मजबूत नेताओं को तोड़ा और पार्टी को हाशिए पर ले आया। दोनों तरफ से पिटती कांग्रेस में नेताओं को लगने लगा कि इसके दिन लद गए लगते हैं, यहां उनका राजनीतिक जीवन अंधकारमय है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में मोदी विरोध के नाम पर राष्ट्र-विरोध किया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन उनके विरोध एवं राजनीति में वह दम-खम नहीं है जो मोदी का मुकाबला कर सके। यही बात कांग्रेस पार्टी के अंदर अभी जो हलचल है उसका एक बड़ा कारण है। वैसे कांग्रेस की अंतर्कलह की वजहें काफी सालों से हैं जिसको सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अब मल्लिकार्जुन खरगे तक रोकने में असक्षम दिख रहे हैं। भले ही कांग्रेस के कुछ चाटुकार नेता पार्टी से पलायन का कारण केन्द्रीय एजेंसियों का दबाव और इसे ही भाजपा में जाने का कारण बतायें। अगर कांग्रेस का केन्द्रीय नेतृत्व इतना प्रभावी एवं सक्षम होता तो वे अपने जाने वाले नेताओं को रोकते हुए कहते कि ये वक्त किसी दबाव के आगे झुकने का नहीं है बल्कि लोकतंत्र को बचाने और देश के भविष्य के लिए संघर्ष करने का है। कांग्रेस तो इतनी जर्जर एवं आधारहीन हो गयी है कि उसने पूरे देश में विपक्ष को एनडीए के खिलाफ इकट्ठा करने के लिए इंडिया गठबंधन तैयार किया, तब उसे लगा था कि देश की सत्ता तक पहुंचने के लिए यह रास्ता आसान होगा। लेकिन, एक-एक कर इंडिया गठबंधन से पार्टियां अलग होती चली गईं। सबसे पहले नीतीश कुमार जिन्होंने इस गठबंधन के लिए सबको इकट्ठा किया था भाजपा के साथ हो लिए। फिर ममता बनर्जी को भी कांग्रेस का साथ रास नहीं आया। इसके मायने तो यही है कि कांग्रेस खुद की पार्टी एवं इंडिया गठबंधन को संभालने में ही नाकाम रही तो वह देश क्या संभालेगी?

'मोदी का परिवार' अभियान विपक्षी दलों के लिये चुनावों में भारी पड़ सकता है

बिहार की राजधानी पटना में आरजेडी सुप्रिमो लालू यादव के बयान कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास परिवार ही नहीं है। वो हिंदू नहीं हैं। हिंदू अपनी मां के श्राद्ध में दाढ़ी-बाल बनवाता है। मोदी की माताजी का जब देहांत हुआ तो उन्होंने बाल-दाढ़ी क्यों नहीं बनवाया? इस तरह के बेतुके, आधारहीन एवं अमर्यादित बयान के विरोध में पूरी भारतीय जनता पार्टी उतर आई है। अब भाजपा और विपक्षी दलों के बीच 'परिवारवाद' के मुद्दे पर वार-पलटवार जारी है। मोदी के परिवार एवं विपक्षी दलों के परिवारवाद को लेकर बड़ी बहस चल रही है लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को विपक्ष के एक आरोप 'चौकीदार चोर है' का भारी लाभ मिला था, तब भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' अभियान चलाया था। उसी तरह वर्ष 2024 के आम चुनाव से पूर्व 'मोदी का परिवार' अभियान शुरू कर दिया है, जिसका

भाजपा को भरपूर लाभ मिल सकता है, विपक्षी दलों की इस भूल के कारण भाजपा न केवल 370 सीटों के लक्ष्य को हासिल करेगी, बल्कि उनका गठबंधन 400 से पार जायेगा। निश्चित ही चुनाव का समय बहुत संवेदनशील होता है, जिसमें विवादित एवं व्यक्तिगत बयानों से बचना जरूरी होता है। विशेषतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी चुनावी रणनीति से भड़के कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, आरजेडी सुप्रिमो लालू यादव एवं विपक्षी दलों के नेता अपनी जुबान संभाल नहीं पा रहे। जैसे-जैसे मोदी एवं भाजपा का चुनावी अभियान तीक्ष्ण, उग्र एवं नियोजित होता जा रहा है, वैसे-वैसे उनके प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने परिवार ना होने को लेकर

विपक्ष के हमले पर पलटवार करते हुए पूरे भारत को अपना परिवार करार दिया और अपने जीवन को एक खुली किताब बताते हुए कहा कि लोगों की सेवा करने के सपने के साथ उन्होंने कम उम्र में ही घर छोड़ दिया था। लगता है मोदी के परिवारवादी राजनीति के बयानों का विपक्ष के पास कोई प्रभावी जवाब नहीं है, तभी ऐसे बचकाने बयानों से दूषित राजनीति करने से विपक्षी दल स्वयं को बचा नहीं पा रहे हैं, दूसरी ओर मोदी ने ऐसे राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं एवं दलों के अलग-अलग चेहरे



हो सकते हैं, लेकिन झूठ और लूट का उनका चरित्र समान है। प्रधानमंत्री मोदी ने लालू के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंट डूबे इंडी

गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मोदी निश्चित रूप से एक बड़े 140 करोड़ लोगों के परिवार से जुड़े हुए हैं। देश की जनता के सामने मोदी का जीवन खुली किताब जैसा है। देशवासी मोदी को भली-भांति जानते हैं, समझते हैं। उनकी पल-पल की खबर रखते हैं। देर रात तक अगर मोदी काम करते हैं तो देश से लाखों लोग उन्हें इतना काम नहीं करने एवं कुछ आराम करने की सलाह देते हैं, यह प्यार है मोदी परिवार का उनके प्रति। निश्चित ही मोदी ने एक सपना लेकर बचपन में घर छोड़ा था। वे देशवासियों के लिये जीने का एक सपना लेकर चले थे। मोदी का कोई निजी सपना नहीं है, देश एवं देशवासियों के सपने ही उनके संकल्प हैं। इसलिए देश के 140 करोड़ लोग ही उनका परिवार हैं, जिसमें युवा, बेटियां, बुजुर्ग सभी हैं। जिनका कोई नहीं है, उनके मोदी हैं। मेरा भारत मेरा परिवार।

Krantisurya Tantya Bhil and Krantiveer Taty Tope University inaugurated

Indore : Chief Minister Dr. Mohan Yadav has said that students of Nimar region will no longer have to go to Indore and Ujjain universities for studies. Along with other subjects, agriculture science education will also be provided in Krantisurya Tantya Bhil University, Khargone in the coming times. Bus arrangements will also be made to reach the university campus. Chief Minister Dr. Mohan Yadav was inaugurating Tantya Bhil University in Khargone of Indore division today. On this occasion, Chief Minister Dr. Yadav also did the digital launch of Krantiveer Taty Tope University, Guna. Chief Minister Dr. Yadav also inaugurated irrigation schemes costing Rs 557 crore.

Important steps in the field of higher education in the state

Chief Minister Dr. Yadav said that the land of Nimar is the land of heroes. Here Bajirao Peshwa sacrificed his life. In the first Indian freedom



The work being done in Madhya Pradesh is in accordance with the work culture of Prime Minister Shri Modi.

struggle of 1857, brave Tantya Bhil fought against the British. Expressing respect towards him, the Madhya Pradesh government has named the new university of Khargone as Krantisurya Tantya Bhil University. Development is taking place in various fields under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi. The Prime Minister implemented the new education policy in the year 2020. Under his leadership, Madhya Pradesh achieved good implementation

of this policy. There will be arrangements for education of all subjects in the new universities of Khargone and Guna. Agricultural science will also be added to the courses in future. These universities and the colleges associated with them will not only give degrees in the future but will also become a medium for the study of cultural nationalism and ancient civilization. From Ayodhya, Kashi to Ujjain and Omkareshwar have become centers of special reverence in

the country. The flag of India is flying all over the world. Prime Minister Shri Modi has a great personality. All nations are interested in friendship with India. In Madhya Pradesh, work is being done in accordance with the work culture of the Prime Minister. This is Madhya Pradesh of changing times. The announcement of starting a university in Khargone has been completed today. About 63 thousand students of Barwani, Alirajpur, Khandwa and Burhanpur dis-

tricts including Khargone of Nimar region will also benefit from the new university. Similarly, Krantiveer Taty Tope University started in Guna will be useful for about 61 thousand students of Ashok Nagar and Shivpuri districts including Guna. Students of Guna region will not need to go to Gwalior University.

An important step has been taken in the field of higher education in the state by starting three universities in two days. Necessary posts along with the necessary budget have also been approved for the new universities.

In comparison to other states, the interest of students towards higher education has continuously increased in Madhya Pradesh. Madhya Pradesh is better in the country in terms of gross enrollment ratio. A short film focusing on the achievements of Madhya Pradesh in the field of higher education was also screened in the programme.

Divisional Commissioner Shri Deepak Singh assumes charge



Indore : Divisional Commissioner Shri Deepak Singh has assumed his charge in Indore today. After assuming charge, Shri Singh visited the Divisional Commissioner's office and also got introduced to the officers and employees here. Shri Singh directed that all the officers and employees should be present in the office at the scheduled time and it would be expected that no file should be unnecessarily pending. Shri Deepak Singh also took charge of his additional charge in Narmada Valley Development Authority and Indore Development Authority today.

Farmers will now be able to register for wheat procurement till March 16

Indore : Food , Civil Supplies and Consumer Protection Minister Shri Govind Singh Rajput has said that the registration period for wheat procurement at support price has been extended in the Rabi marketing year 2024-25. Now farmers will be able to register till March 16 to procure wheat at support price in Rabi marketing year 2024-25. Earlier the registration date was March 10. The Food , Civil Supplies and Consumer Protection Department has issued orders regarding increase in registration.



Collector and other officials listened to the problems of the citizens and resolved them

Indore : Like every Tuesday, this Tuesday also a public hearing was held in the Collector's office. In the public hearing, Collector Shri Ashish Singh and other officials listened to the problems of the citizens and resolved them as much as possible on the spot. Even today, most of the cases related to plot , colony sale , property dispute , family dispute , etc. come to the Collector's office. After hearing these problems, officials of the concerned department were sent to resolve them. A deadline for resolution was fixed.

Farmers of Indore district will go to Gujarat to learn new tricks of gardening

Indore : A 5-day exposure tour program of farmers outside the state is being conducted from today till March 17, 2024 under the Human Resource Development (HRD) component of the Integrated Horticulture Development Mission (MIDH) scheme year 2023-24 , run by the Department of Horticulture and Food Processing. Is. Under which today a group of 53 farmers from the district was flagged off by MLA Shri

Madhu Verma and Deputy Director Horticulture Shri D.S. Chauhan and sent for training



information about Indian Agricultural Research Council-Central Institute of Arid Horticulture Vejalpur (Godhra) , Medicinal and Aromatic Plant Research Directorate of Gujarat State and modern cultivation of medicinal crops , visit to Amul Dairy and Information about horticulture crops will be given by visiting the fields of progressive farmers and training will be given in places like Anand Agricultural University etc.

Deputy Director of Horticulture Shri Chauhan told that the farmers of the district got

Examination for taking admission in Hotel Management course on 11th May

Indore : There are immense employment opportunities in Hotel Management course. Youth can do various courses from Stade Institute of Hotel Management located on Bypass Road near Rau, Indore. The admission process for this is going on. Interested youth can apply online till 31st March. After this the entrance examination will be held on 31st May. In this institute, admission will be given in B.Sc Hospitality and Hotel Administration and Diploma course. Detailed information can be obtained from the said institute.

Applications can be made till 31st March

To keep the basic principles of journalism alive, it is necessary to follow the standards of conduct of journalism



Indore : To keep the basic principles of journalism alive, it is necessary to follow the standards of conduct of journalism. Credibility in the society can be maintained by following the standards of conduct of journalism. The new Press Act will be helpful for the betterment of journalists and journalism. By following the standards of conduct of journalism under the new Press Act, we can gain respect in the society. The new Press Act will also increase efficiency and make work easier and convenient.

The above statements were expressed by the guests in a one-day workshop organized by the Divisional Public Relations Office, Indore on the subject of Press Act and Standards of Conduct of Journalism. In this workshop, senior journalist Mr. Raghuvier Tiwari Bhopal, President of Indore Press Club Mr. Arvind Tiwari, President of State Press Club Mr. Praveen Khariwal and senior journalist Mr. Navneet Shukla expressed their above mentioned views as keynote speakers.

Addressing the workshop, Shri Arvind Tiwari said that there were discrepancies in the old Press Act. An attempt has been made to remove these discrepancies in the new Press Act. The new Press Act will be helpful in increasing work efficiency. Journalism will get protection, the credibility of journalism will also increase. Journalists should follow the dignity and conduct of journalism. He said that to maintain credibility in journalism, it is important that we follow timeliness. Do journalism with dignity, being fearless and fear-

less. He said that for good journalism it is necessary that communication, contacts and sources be strong. He urged the new generation journalists to maintain better conduct to gain respect in the society. Shri Tiwari said that the Press Council of India has done its work by making changes in the Press Act, now journalists will also have to perform their responsibilities with full hon-

One day workshop conducted by Public Relations Department

esty. It is the responsibility of the state government to protect the interests and welfare of journalists. The state government is supporting the journalists with an open heart.

Bhopal's senior journalist Mr. Raghuvier Tiwari said that in the new era of technology, the nature of news is also changing. The scope of journalism has also increased. The method of broadcasting has also changed rapidly. In the new age of technology, we should not lose our original form of journalism. Your credibility will have to be maintained at all costs. He said that the value of journalism is also changing. There has also been a change in the working system. Shri Raghuvier Tiwari said that the new Press Act will be helpful in preserving moral values. This Act will make our work easy and convenient. He said that understanding our responsibility towards the society, we should

set our own standards of conduct. The standards of conduct are not determined by any rules and regulations; these standards have to be created by us in the interest of society.

Addressing the workshop, Shri Navneet Shukla said that earlier there were certain principles of journalists and journalism. Journalism was the mission. Today there has been a negative change in it. New challenges are coming before us in journalism today. He said that journalism is not a business, it should be done from the heart. If we do journalism with heart and mind, we will definitely get respect. He said that the basic principles of journalism have to be kept alive. We also have to follow the standards of journalistic conduct. He said that necessary amendments should be made in the Press Act considering the need of the hour. He said that journalism flourishes with energy and experience.

Shri Praveen Khariwal said in his address that the new Press Act will give a new shape to journalism. It is the responsibility of the people associated with the press to show a new direction to the society by using the new Press Act. Mr. Khariwal said that journalists need to improve their conduct. Use your pen as much as possible in the interest of society. At the beginning of the program, Joint Director Public Relations Dr. R. R. Patel gave welcome address and highlighted the objectives of the workshop. The program was conducted by Shri Sanjay Lahoti. A large number of journalists were present in the workshop.

Super 100 scheme run by the government became a boon for Kamlesh, born in a poor family

Indore : With the help of the government and his tireless hard work, Kamlesh proved that success is not dependent on circumstances. Shri Kamlesh Gehlot, a resident of small village Chhoti Hirapur in Tehsil Jobat of Alirajpur district of Indore division, is currently working as an assistant engineer in Madhya Pradesh Energy Development Corporation, Bhopal. He attributed his success to the Community Welfare Boys Hostel Badi Khattali run by the Madhya Pradesh Govern-



ment and the Super 100 scheme run to provide necessary coaching for admission to engineering colleges through competitive examination. Kamlesh told that due to his father's death in his childhood and financial problems, his childhood was spent in his maternal uncle's house in Chhoti Hirapur. He was deprived of education due to his father's death in his childhood. At the same time, after receiving information about the bridge course school under the government scheme, his maternal uncle sent him for the said work. Because of that, he completed his primary education from Badi Hirapur itself. After that, after getting selected in Community Welfare Boys Hostel Badi Khattali under the government scheme, he studied from class 6th to class 10th and got second position in all the government schools of the district by performing excellently in class 10th in the district.

Kamlesh told that after being selected in the Super 100 scheme, which provides necessary coaching for admission through competitive examinations in the country's renowned professional courses like Engineering/

Medical/CA Foundation etc. run by the state government, High Secondary Bhopal. Located in Government Subhash Excellent Higher Secondary School and also got preparation for competitive examination by staying in Bhopal under the said scheme. With the help of the coaching received through Super 100, he passed the JEE Mains examination and obtained a degree in Mechanical Engineering from the National Institute of Technology, Bhopal. Remained unem-

ployed for two years during the Corona epidemic. Meanwhile, he worked as a guest lecturer at Polytechnic College, Tikamgarh from 2021 to 2023. While working as a teacher of Polytechnic College, he passed the GATE examination six times and due to his continuous efforts, he was posted as Assistant Engineer in Madhya Pradesh Energy Development Corporation in July 2023.

He said that he achieved this position today under the government's plan. Since childhood, he wanted to contribute to the development of the district and the state by working as a government servant. Kamlesh told that the continuous innovation being done by Alirajpur district administration for the smooth running of the hostel will be able to give a new flight to the dreams of socially and economically backward children like him. For this effort, he thanked Alirajpur Collector Dr. Abhay Arvind Bedekar and Sub-Divisional Officer Mr. Virendra Singh Baghel and he especially thanked and expressed gratitude to the Chief Minister of the state for running employment-oriented education scheme like Super 100 run in the state.

Smart meterization work continues rapidly in Indore division

Indore : Giving priority to Prime Minister's Digital India programme, Madhya Pradesh West Zone Electricity Distribution Company is working at a fast pace. In this sequence, along with information technology works, smart metering work is also being done with dynamism. Managing Director of Madhya Pradesh Western Region Electricity Distribution Company, Mr.

Amit Tomar said that modern smart meters have been installed in more than three lakh sixty-five thousand houses and premises in Indore revenue division. Two cities of the division, Mhow and Kargone, have been fully registered in smart metered category. Shri Tomar said that maximum number of smart meters around 2 lakh 60 thousand have been installed in Indore city.

On the second position, 43 thousand smart meters are installed in Kargone, 25 thousand in urban areas of Jhabua district, 28 thousand in urban areas of Barwani and 15016 smart meters are installed in Mhow. Shri Tomar said that these smart meters are providing accurate bill calculation, facility to view consumption on the app along with other types of help. This is increasing con-

sumer satisfaction.

Managing Director Shri Amit Tomar said that more than 2 lakh smart meters have been installed in Ujjain area also. Maximum 80 thousand modern smart meters are installed in Ujjain city, 71300 in Ratlam, 45400 in Dewas, 11200 in Mandsaur and Neemuch areas and 11200 modern smart meters are installed at 11200 places.

Approval of "Prime Minister Krishak Mitra Surya Yojana"

Approval of Rs 24 thousand 293 crore for Ken-Betwa link project



Indore: In the meeting of the Council of Ministers held today under the chairmanship of Chief Minister Dr. Mohan Yadav, approval was given to expand the Chief Minister Solar Pump Scheme and implement it under the name "Pradhan Mantri Krishak Mitra Surya Yojana".

Implementation of "Pradhan Mantri Krishak Mitra Surya Yojana" in Madhya Pradesh. This will be done by the Energy Development Corporation as per the guidelines issued under the Kusum ' B ' scheme of the Central Government.

To provide solar agriculture pump

connections to farmers/groups of farmers, solar agriculture pump connections are also being provided under the currently prevalent "Mukhyamantri Krishak Mitra Yojana".

Approval of Rs 24 thousand 293 crore 24 lakh for Ken-Betwa link project

The Council of Ministers has given administrative approval for the work to be done in the first and second phase of the Ken-Betwa Link Project at a cost of Rs 24 thousand 293 crore 24 lakh. The project will provide irrigation to 6,57,364 hectare drought affected area of Chhatarpur, Tikamgarh, Niwari, Panna, Damoh, Sagar, Datia and Vidisha, Shivpuri, Raisen districts of Betwa basin of Bundelkhand region and drinking water facility to about 44 lakh population.



Commissioner got introduced to divisional officers

Indore: Divisional Commissioner Shri Deepak Singh today called a meeting of divisional level officers of Indore and got introduced to them. He said that whenever officers go out of the headquarters, it is mandatory to inform the Commissioner's office.

He said that soon a detailed meeting will be held to review the departmental activities. He directed the construction departments that now is the right time for the work. Increase the speed of your operations and get all construction work done with quality.

Three Poklanes and three dumpers seized for illegal excavation



Indore: Under the direction of Collector Mr. Ashish Singh, effective action is being taken against those doing illegal excavation in Indore district. In the same sequence today, three Poklanes and three dumpers were seized on the spot while carrying out illegal excavation on government land survey number 272, 282 in village Kelod Kartal of Tehsil Bhicholi Hapsi. S.D.M. Kalyani Pandey said that the above action was taken by the joint team of Revenue, Mineral and Police Department.

Program organized on World Consumer Rights Day

Indore: To make consumers aware under the new Consumer Protection Act 2019, this year also a program will be organized on "World Consumer Rights Day" on March 15, 2024. District Supply Controller Shri M.L. Maru told that on the occasion of World Consumer Rights Day, Idyllic Institute of Management, Gendalal Bam Complex, Rau Pithampur Road, opposite I.I.M.

The program has been organized in Indore (Run by Icon Education Society) from 11.00

am. On this occasion, District Consumer Dispute Redressal Commission No. 01 member Ms. Nidhi Barangay and Ad-

Consumers will be made aware

ditional Collector Mr. Gaurav Bainsal will be present as chief guests.

In the program, along with

discussion regarding protection and promotion of interests of consumers, Food and Drug Department, Nationalized Bank, Telecommunication Corporation, Madhya Pradesh Electricity Board, Weights and Measures Department, Indore Gas Dealers Association, Petrol-Diesel Pump Association, Voluntary Consumer Organization, Oil Exhibitions will be organized at the venue by companies etc. An appeal has been made to the maximum number of consumers to attend the programme.

SEDMAP is giving free training-children of laborers are learning computers

Indore March 15, 2024: In view of the increasing use of Information Technology (IT) in industries, now free computer training is being given to workers and their family dependents. The workers of the state and their dependents are learning software development work as per their interest. They are being trained in electrician, fitter mechanical and welding work. This type of training is being provided to 3 thousand workers and their family dependents of Madhya Pradesh. This training is being provided completely free of cost.

Executive Director of SEDMAP, Mrs. Anuradha Singhai said that free skill development training is being provided to the workers and their family dependents to raise the standard of living and enhance their livelihood. Keeping in view the need and demand of the industries, 3 thousand workers in various trades will be trained by the end of March by the Entrepreneurship Development Center Madhya Pradesh (Sedmap).

All trainings are being organized with



the aim of fulfilling the need of skilled, highly skilled employees to realize the concept of 'Self-reliant Madhya Pradesh'. For this, 600 workers in software development trade and 450 workers in Desk Top Publishing (DTP) trade and their dependent members of their families are being trained. Along with this, 450 drafts persons are being trained in civil work, 600 in electrician

trade, 450 in welding trade and 450 in fitter trade. Thus a total of 3 thousand workers and their dependent members of the family are being trained.

He said that these skill training programs are being organized in Bhopal, Indore, Gwalior and Jabalpur district headquarters of Madhya Pradesh so that unskilled workers and their dependents can get prepared as per the re-

quirement of the industries by getting short-term skill training. Eligible registered workers and their family members linked to their registration cards are being benefited through the training. All these training programs are completely free.

Executive Director of SEDMAP, Mrs. Anuradha Singhai said that among the industries operating around Indore and Bhopal, most of the software developers, D.T.P.

The requirement of 2 thousand 600 skilled workers in electrician, welder and fitter trade is to be met, whereas in view of the high demand in electrician, welder and fitter trade in Jabalpur and software developer trade in Gwalior, skill training is being provided to 200 workers in each trade.

Under this, maximum 1 thousand 350 workers are receiving training in the capital Bhopal. Center for Entrepreneurship Development Madhya Pradesh (SEDMAP) has been working progressive and incredibly for more than three decades.

Air service to tourist places and major cities is our priority : Chief Minister Dr. Yadav

Launch of PM Shri Tourism Air Service and PM Shri Religious Tourism Heli Service

Indore : Chief Minister Dr. Mohan Yadav has said that Madhya Pradesh is a big province geographically. Transport facilities are available in the state by road and rail, along with this, the state government is now providing the facility to reach from one place to another in less time than by air. Expanding air service to religious tourism, other tourist places and big cities of the state is being done on priority. Chief Minister Dr. Yadav was addressing the program organized at the Government Airport, Bhopal on the occasion of the launch of PM Shri Tourism Air Service and PM Shri Religious Tourism Heli Service.

Chief Minister Dr. Yadav said that God has special blessings on Madhya Pradesh. Mother Narmada originating from Amarkantak is the lifeline of Madhya Pradesh as well as Gujarat. On the initiative of Prime Minister Shri Narendra Modi, Mother Narmada has made a remarkable contribution in providing energy and irrigation facilities to the country. With the air service being started in the state, it will be possible to quickly transport people from one place to another for religious as well as business and adminis-

After Ujjain, Omkareshwar, air service will also start for Datia, Maihar, Orchha



trative activities and in all kinds of circumstances. Our effort will be to build airstrips in all the districts and expand interstate air service.

Chief Minister Dr. Yadav said that after the air service from Indore to Mahakaleshwar and Mamleshwar (Omkareshwar), like Kedarnath and Yamunotri, helicopter service will be started for Datia,

Maihar, Orchha etc. for darshan in a short time. Efforts will be made to expand air facilities to all the major religious places of the state. There is also a plan to expand air service to other places important from tourism point of view like Kanha and Bandhavgarh. Arrangements will be made to visit the existing pilgrimage sites in the state by linking the schemes run by the state government for religious pilgrimage with these schemes completely funded by the state government.

Chief Minister Dr. Mohan Yadav announced the launch of both the schemes. He launched both the schemes by pressing the button of the remote and flagged off two planes and a helicopter. He said that at the inauguration, Minister Shri Kailash Vijayvargiya, Minister of State Shri Gautam Tetwal, Shri Naresh Shivaji Patel and Dr. Pratima Bagri are visiting Indore. Similarly, Minister Shri Rakesh Singh, Mrs. Sampatti Uike and Shri Dharmendra Lodhi are leaving for Jabalpur. Deputy Chief Minister Shri Jagdish Deora, Minister Shri Andial Singh Kansana, Shri Narayan Singh Kushwaha and Shri Pradyuman Tomar left for the service starting for Gwalior.



Action taken under adulteration campaign

Indore : As per the instructions of Collector Mr. Ashish Singh, continuous action is being taken under the adulteration campaign in Indore district. In this sequence, the team formed under the guidance of Additional Collector Mr. Gaurav Binal carried out sampling and inspection at various places in the city. The team inspected Bombay Enterprises located in Malhar Patan and collected a total of four samples of Mango Flavor Ice Candy, Coconut Flavor Ice Candy, Mawa Flavor Ice Candy and Rasili Soft Drink Flavor Ice Candy from Proprietor Vikar Raza. Also, the remaining stock of the said food items which is 105000 ml was confiscated. On the spot, artificial sweetener was found mixed in food items which is harmful for children below 12 years of age and was not mentioned on the label of the food items. Apart from this, a total of 02 samples of refined palm oil and vegetable have been taken from S.S. Traders located in Paganis Paga. In another action, based on the information about adulterated ghee, a total of 6 samples of edible ghee have been taken while investigating at Shriram Milk Dairy and Foods located in Palda. All the samples taken are being sent to the State Food Testing Laboratory, Bhopal for testing, after receiving the report, legal action will be taken.



trative activities and in all kinds of circumstances. Our effort will be to build airstrips in all the districts and expand interstate air service.

Collector Shri Ashish Singh reached Nehru Stadium and took stock of the election preparations



Indore : Collector and District Election Officer Shri Ashish Singh reached Nehru Stadium today. Here he took stock of the preparations for the Lok Sabha elections- 2024. On this occasion, DCP Traffic Mr. Manish Kumar Aggarwal, Deputy District Election Officer and Additional Collector Mr. Rajendra Raghuvanshi and officials of other concerned departments were present. On this occasion, Collector Shri Ashish Singh inspected the arrangements for distribution of materials to the polling parties for the Lok

Sabha elections, strong room arrangements, arrangements for counting rooms etc.

He instructed the officials of the concerned departments that all preparations for the elections should be done on time as per the guidelines set by the Election Commission.

Determining rates of promotional materials

After this, Collector and District Election Officer Shri Ashish Singh participated in the meeting organized to determine the market rates of various

materials/means used by the candidates during the Lok Sabha elections. Officials of various political parties were also present in this meeting. In the meeting, the market rates of various materials/means used by the candidates during the elections were determined. This includes tent related materials, catering items, fan/cooler/AC. Sound system, lights, promotional material, band, dholak, flower decoration, printing, stationery, refreshments, snacks, food, fruits, photography/videography etc. were decided.

25 percent more wages to all industrial and unorganized workers in Madhya Pradesh from April 1, 2024

Indore : In Madhya Pradesh, from April 1, 2024 to all industrial and unorganized workers will get 25 percent more wages. The wages of trained and untrained workers associated with all industrial and unorganized sectors will increase from April 1, 2024. The state government has issued orders in this regard. It is noteworthy that for the first time after the year 2014, the wages of laborers have been revised in the state. Under the guidance of Chief Minister Dr. Mohan Yadav and efforts of Labor Minister Shri Prahlad Singh Patel, a concrete initiative has been

taken for the welfare of the workers. Labor Minister Shri Patel said that the increase in wage rates will bring major changes in the lives of workers.

This initiative has been taken for the upliftment of workers in line with the vision of Prime Minister Shri Narendra Modi and the "Development of all" being carried out under the leadership of Chief Minister Dr. Yadav. He said that the Labor Department is committed to the welfare and safety of the workers and many important decisions will be taken in this direction in the coming times.

PM Shri Narendra Modi talks with youth about his experience from Indore

Indore : PM-Suraj Portal will be launched By Prime Minister Shri Narendra Modi on 13 March 2024 at 4 pm virtually through video conferencing.

The chief guest of this program will be Dr. Virendra Khatik, Union Minister of Social Justice and Empowerment, Government of India. Prime Minister Shri Modi will also discuss with a beneficiary from Indore through video conferencing. The said program has been organized at Ravindra Natyagrah.

Virtual program will be held today at Ravindra Natyagrah

होली के रंग से त्वचा, बाल और आंखों को रखें सुरक्षित

रंगों का पर्व होली जश्न मनाने का पर्व है। हर घर में गुड़िया और पकवान बन रहे हैं और घर को मेहमानों के स्वागत के लिए रंग बिरंगी चीजों से सजाया जा रहा है। होली अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने का ये बेहरीन मौका होता है। जब रंगों के एक दूसरे से सराबोर कर हम नाचते-गाते हुए जश्न मनाते हुए घंटों साथ में समय बिताते हैं लेकिन इस होली की मस्ती में आपको अपने अपने स्वास्थ्य, त्वचा की देखभाल और सुंदरता पर ध्यान देना नहीं भूलना चाहिए।

'बुरा न मानो, होली है कहते हुए कई बार लोग ऐसे रंग लगा देते

हैं जिसके लेने के देने पड़ जाते हैं। कभी-कभी रंग आपकी आंखों में चले जाने पर समस्या हो सकती है, तो कभी त्वचा झुसा देता है। होली के अवसर पर हम आपके लिए ऐसे कुछ टिप्स लेकर आए हैं जिनको फॉलो करके अपने बालों, आंखों और स्किन को सुरक्षित रखा जा सकता है।

टॉक्सिक कैमिकल कलर के प्रयोग से बचें बाजार में बिकने वाले अधिकांश होली के रंगों में मरकरी, एस्बेस्टस, सिलिका, माइका और लेड जैसे खतरनाक कैमिकल हो सकते हैं - जो स्किन और आंखों के



लिए बहुत जहरीले होते हैं। आंखों के साथ इन कैमिकल की प्रतिक्रिया से जलन, रेडनेस और एलर्जी जैसे सिम्टम दिखाए देते हैं। कभी-कभी आंख में

गंभीर कैमिकल कलर से आंखों की रोशनी तक जा सकती है। इसलिए कैमिकल वाले रंगों के बजाय हल्दी, नीम, चंदन, फूल आदि सहित प्राकृतिक सामग्री से बने पारंपरिक प्राकृतिक रंगों और हबैल रंगों का उपयोग करें।

स्किन की करें ऐसे केयर होली खेलने घर से जब निकलने से पहले फेस पर आइस क्यूब से 15 मिनट तक मसाज करें और उसके बाद चेहरे और पूरे शरीर पर अच्छा से मोस्टराइजर लगा लें इससे आपकी त्वचा पर डॉयरेक्ट कलर का असर नहीं होगा और स्किन

सुरक्षित रहेगी अगर होली से पांच दिन के अंदर कोई स्किन ट्रीटमेंट करवाया है तो ऐसे लोगों को रंग खेलने से बचना चाहिए। जैसे लेजर, ब्लीच, पीलिंग या अन्य स्किन ट्रीटमेंट।

आउटडोर में होली खेले जाती है इसलिए सन प्रोटेक्शन के लिए सनस्क्रीन अच्छे से लगाएँ और धूप का चश्मा जरूर पहनें। होली खेलते समय बार-बार चेहरा नहीं धोना चाहिए, ताकि जो आपने रंग से बचने के लिए उपाय किए हैं, वो पानी में धुल ना जाएं। होली खेलते समय पानी भी पीते रहना चाहिए ताकि बाँडी और स्किन में पानी की कमी ना हो।

इस तरह से रंग और गुलाल बच्चों को नहीं पहुँचा पाएंगे नुकसान

मौज-मस्ती के लिहाज से होली से बेहतर दूसरा और कोई त्योहार नहीं हो सकता। यह एक ऐसा त्योहार है जो न सिर्फ बड़ों को पसंद होता है, बल्कि बच्चों पर भी इसका क्रेज आसानी से देखा जा सकता है। वैसे तो होली खेलने में बड़ा ही मजा आता है लेकिन फिर भी बच्चों के साथ होली खेलते समय आपको कुछ बातों का ध्यान विशेष रूप से रखना होता है। अगर इस त्योहार में लापरवाही बरती जाए तो इससे आपको काफी हर्जाना भुगतना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं उन बातों के बारे में, जिन्हें आपको बच्चों के साथ होली खेलते समय अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।



बताएं कुछ जरूरी बातें

होली खेलते समय बच्चे इतने मस्त हो जाते हैं कि आपके मना करने के बाद भी वह नहीं मानते। इसलिए बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप उन्हें कुछ बातें पहले ही बता दें। मसलन, आप उन्हें बताएं कि होली खेलते समय वह अपनी आंखें व मुँह बचाकर रखें। अगर हानिकारक कलर उनकी आंखों या मुँह के अंदर चला जाएगा तो इससे उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। बच्चों की आंखों की सुरक्षा के लिए आप उन्हें गागल्स भी पहना सकते हैं। इससे वे देखने में स्टाइलिश भी लगेंगे। वहीं आप इस बात का खास ख्याल रखें कि बच्चे किसी अनजान व्यक्ति के साथ होली न खेलें। यह काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

सही हो इस्तेमाल

बच्चे होली खेलते समय कलर्स से

ज्यादा पिचकारी या गुब्बारों का प्रयोग करते हैं, ऐसे में उन्हें इन चीजों का सही तरह से इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, उन्हें बताएं कि वे पिचकारी के साथ खेलते हुए भी किसी के ऊपर बिल्कुल पास से पानी न फेंकें। इससे सामने वाले व्यक्ति को चोट लग सकती है। साथ ही आप बच्चों को पानी के गुब्बारों से न खेलने दें। इससे दुर्घटना होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अगर वह बैलून के साथ खेलना ही चाहते हैं तो उन्हें समझाएं कि वे सिर्फ दोस्तों के साथ ही वाटर बैलून से खेलें। कभी भी किसी वृद्ध, बीमार या गर्भवती महिलाओं पर भूल से भी इसका इस्तेमाल न करें।

इनका भी रखें ध्यान

होली पर बच्चों की सुरक्षा हेतु आपको भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो आप अपनी

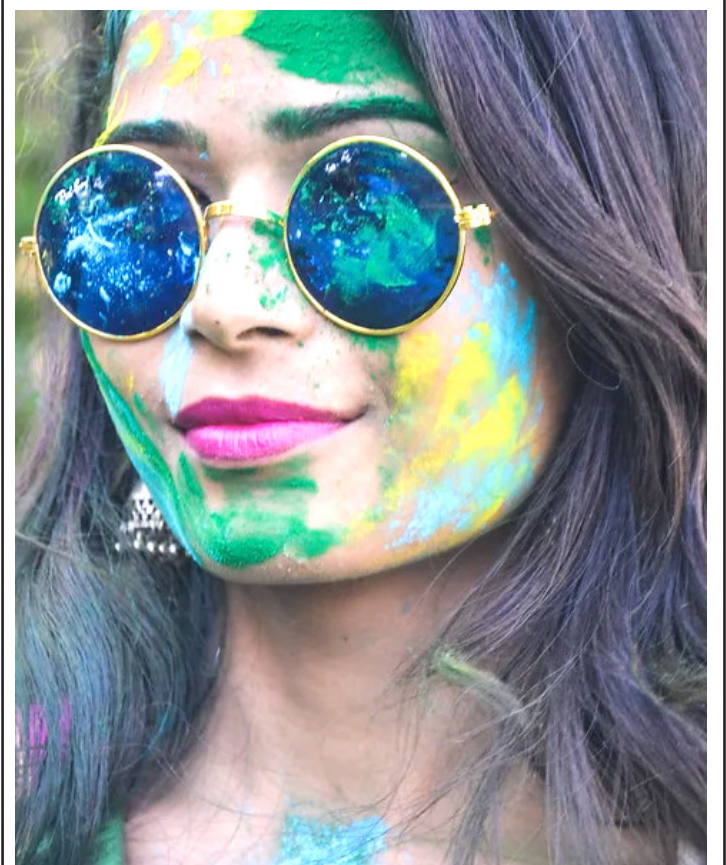
कालोनी या निश्चित स्थान में ही बच्चों को होली खेलने दें। यह उनकी सुरक्षा हेतु बेहद आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त आप होली के लिए सुरक्षित रंगों का ही इस्तेमाल करें। अगर आप खुद होली पार्टी दे रहे हैं तो किसी को भी कलर लाने के लिए न कहें। बल्कि आप ही ढेर सारे प्राकृतिक व हर्बल कलर्स का इस्तेमाल करें। अगर संभव हो तो खुद ही फूलों व मसालों की मदद से होली कलर्स तैयार कर लें।

इससे बच्चों के साथ-साथ किसी को भी हानिकारक कलर्स का सामना नहीं करना पड़ेगा। ऐसी बहुत सी घटनाएँ हुई हैं, जब बच्चों को हानिकारक कलर्स के कारण स्किन एलर्जी व अन्य समस्याएँ होने के साथ-साथ जान भी गई है।

वहीं आप बच्चों की स्किन की सुरक्षा के लिए उन्हें होली खेलने से पहले फुल स्लीव्स कपड़े पहनाएं ताकि किसी भी तरह का हानिकारक सीधे उनकी स्किन से संपर्क में न आए। वैसे भी बच्चों की त्वचा काफी कोमल होती है और हानिकारक कलर्स का प्रभाव उनकी स्किन पर अधिक होने की संभावना रहती है।

इसके अतिरिक्त बच्चों की स्किन की केयर के लिए आप एक रात पहले उनके बालों में नारियल या आलिव आयल से अच्छे से मसाज करें। साथ ही होली खेलने से पहले भी उनकी पूरी स्किन पर आयल लगाना न भूलें और कान के पास, आंखों के नीचे और नाखूनों आदि में वैसलीन लगाएं। इससे स्किन पर तेल की एक लेयर बन जाएगी और हानिकारक कलर अपना प्रभाव नहीं छोड़ पाएंगे।



होली के बाद रूखी हो गई है स्किन, तो इन 5 तरीकों से बनाएं उसे ग्लोइंग

होली कई लोगों का फेवरेट फेस्टिवल होता है। होली (पूजा) में जमकर रंग और गुलाल उड़ाए जाते हैं। वहीं कुछ लोग इन्हीं रंगों से परहेज करते नजर आते हैं। जिसका सबसे बड़ा कारण होता है, होली के रंगों (Colors) से होने वाली एलर्जी और त्वचा पर इनके साइड इफेक्ट्स (Side Effects)। हालांकि कुछ आसान टिप्स को फॉलो करके आप रंगों से होने वाली परेशानियों को दूर कर सकते हैं।

दरअसल होली रंगों का त्योहार है। ऐसे में किसी को रंगों में पूरी तरह से सराबोर किए बिना होली खेलने का मजा नहीं आता है। लेकिन यही रंग कई बार त्वचा का ग्लो छीनने के साथ-साथ इसे रूखा और बेजान बना देते हैं। साथ ही रंगों के कारण त्वचा पर जलन, खुजली और रेडनेस जैसी समस्याएँ भी देखने को मिलने लगती हैं। इसीलिए हम आपसे शेर्य करने जा रहे हैं रंगों के साइड इफेक्ट से बचने के कुछ आसान तरीके, जिन्हें फॉलो करके आप होली का पूरा मजा उठा सकते हैं।

मसूर दाल फेस पैक

होली के एक दिन पहले मसूर दाल को देसी घी में भूनकर दूध में भिगाकर रखें। अगले दिन होली खेलने के बाद इस दाल और दूध को पीस कर पेस्ट बना लें और इसे फेस पर अप्लाइ करें। लगभग एक घंटे बाद फेस वॉश कर लें। इससे आपकी त्वचा का रूखापन खत्म हो जाएगा। साथ ही स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग दिखने लगेगी।

प्रदेश के सक्षम व्यक्तियों को प्रदेश में ही निवेश करने के लिए करें प्रोत्साहित-मुख्यमंत्री



भोपाल। प्रदेश के सक्षम व्यक्तियों में निवेश के लिए विश्वास पैदा करें। उन्हें प्रदेश में ही निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें। प्रदेश के रॉ मटेरियल का उपयोग प्रदेश में ही उत्पाद बनाने के लिए होगा तो इससे स्थानीय रोजगार बढ़ेंगे। आमदनी में भी वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रालय में निवेश प्रोत्साहन हेतु मंत्रियों की बैठक

को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन विभाग प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए रोड शो आयोजित करता है। इसी तरह निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रदेश के बाहर रोड शो आयोजित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सहकारी क्षेत्र की कंपनियों को अधिक रियायत प्रदान कर

प्राइवेट इंडस्ट्री के कंपटीशन में खड़ा करें। यह रियायत सहकारी संस्थाओं को न सिर्फ मजबूत करेगी बल्कि कृषकों की आय में वृद्धि का साधन बनेगी। इससे कृषकों को उनके उत्पादों के उचित दाम प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में उद्योग संवर्धन नीति 2014 अंतर्गत प्रावधानिक मुख्य सुविधाएं, निवेश प्रोत्साहन सहायता, अधोसंरचना विकास, हरित औद्योगिक सहायता सहित परिधान क्षेत्र की वृहद श्रेणी इकाइयों को विशिष्ट इकाई सहायता आदि प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। निवेश प्रोत्साहन की विभिन्न योजनाओं पर आवश्यक निर्देश भी दिए।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर प्रमुख सचिव खनिज श्री अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र सिंह, प्रबंध संचालक एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।



इंदौर-उज्जैन को सिक्स लेन बनाने में खर्च होंगे 950 करोड़, जल्द जारी होगा टेंडर

इन्दौर। सिंहस्थ 2028 को लेकर प्रदेश सरकार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इन दिनों उज्जैन को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों को बेहतर बनाने में जोर दिया जा रहा है। इंदौर-उज्जैन फोरलेन रोड को सिक्स लेन में तबदील किया जाएगा। प्राथमिकता के आधार पर शासन ने सड़क निर्माण के लिए बजट भी निर्धारित कर दिया है। करीब 950 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। अब एमपीआरडीसी को सड़क निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी है। अगले कुछ महीनों में सड़क की डिजाइन से लेकर डीपीआर और टेंडर निकाले जाएंगे।

सिंहस्थ में देशभर से पचास लाख से अधिक श्रद्धालुओं रोजाना पहुंचेंगे, जो विभिन्न मार्ग से होते हुए उज्जैन आएंगे। इनकी सुविधा का ध्यान रखते हुए सरकार ने उज्जैन से जुड़ने वाली प्रमुख सड़कों को सुधारने पर जोर दिया है। इंदौर-उज्जैन रोड को प्राथमिकता देते हुए ढाई साल में काम पूरा करने का लक्ष्य दिया है। सिक्स लेन सड़क के लिए एमपीआरडीसी अगले कुछ सप्ताह में अपना प्रेजेन्टेशन दे सकती है, जिसमें सड़क की डिजाइन और निर्माण लागत के बारे में बताया जाएगा।

पहले वैकल्पिक मार्ग बनाना होगा-48 किमी लम्बी इस सड़क पर काम शुरू करने से पहले एजेंसी को वैकल्पिक मार्ग बनाना होगा। ताकि लोगों को उज्जैन आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। यहां तक कि एक दिशा का काम पूरा होने के बाद ही सड़क के दूसरे हिस्सा बनाना होगा। सड़क को सिक्स लेन में तबदील करने के लिए एमपीआरडीसी के पास यू तो साढ़े तीन साल का समय है, लेकिन छह महीने डीपीआर, टेंडर और डिजाइन बनाने में निकल जाएगा। एमपीआरडीसी के राकेश जैन का कहना है कि प्रोजेक्ट संबंधित जानकारी आने के बाद टेंडर निकाला जाएगा। उसमें भी चार से पांच महीने का समय लगेगा। वर्क आर्डर के बाद निर्माण शुरू होगा। इस पूरी प्रक्रिया में दिसंबर तक का समय लगेगा।

प्रदेश सरकार क्षेत्र के चहुँमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध-ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर की विभिन्न कॉलोनीयों के विद्युतीकरण कार्य के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि क्षेत्र के चहुँमुखी विकास के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार सभी की भागीदारी से उपनगर ग्वालियर में विकास के नये आयाम जोड़ेगी। उन्होंने कहा उपनगर ग्वालियर में तेजी के साथ स्वास्थ्य, विद्युत, शिक्षा एवं सड़कों के कार्य किए जा रहे हैं। इसका लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी को भी मिलेगा। इस अवसर पर तानसेन जोन कार्यालय



के नवीन कार्यालय भवन का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि तानसेन जोन स्मार्ट कार्यालय बनाया जा रहा है। यहाँ उपभोक्ता सेवा केन्द्र पर विद्युत उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बिल जमा करना, ऑनलाइन शिकायत दर्ज करना, विद्युत कनेक्शन लेना इत्यादि विद्युत से संबंधित सभी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

न्यायमूर्ति श्री सत्येंद्र कुमार सिंह मध्यप्रदेश के नए लोकायुक्त

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने न्यायमूर्ति श्री सत्येंद्र कुमार सिंह को मध्यप्रदेश के नए लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल श्री पटेल ने नवनियुक्त लोकायुक्त श्री सिंह को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। न्यायमूर्ति श्री सत्येंद्र कुमार सिंह ने न्यायमूर्ति श्री नरेश कुमार गुप्ता का स्थान लिया है। राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद थे। शपथ ग्रहण समारोह की कार्यवाही का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने किया। शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद वी.डी. शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सांरंग, राज्य मुख्य सूचना आयुक्त ए.के. शुक्ला, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारी, पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दिलाई शपथ

बेलगावी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे जगदीश शेडार

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए जगदीश शेडार आगामी लोकसभा चुनाव में बेलगावी से चुनाव लड़ेंगे। येदियुरप्पा ने कहा कि शेडार उनके समझाने के बाद बेलगावी से चुनाव लड़ने के लिए सहमत हुए। येदियुरप्पा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि वह भारी अंतर से जीतेंगे। मई 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भगवा पार्टी द्वारा टिकट से इनकार किए जाने के बाद शेडार भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री को हुबली-धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा, लेकिन शेडार हार गए। विधानसभा चुनाव में हार के बाद शेडार को कांग्रेस ने एमएलसी नियुक्त किया

था। जनवरी में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और फिर से बीजेपी में शामिल हो गए। शेडार एक वरिष्ठ लिंगायत



नेता हैं जिन्होंने कर्नाटक में कई मंत्रालय संभाले हैं। कर्नाटक से 20 लोकसभा चुनाव उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची

में, भाजपा ने अपने पूर्व राज्य इकाई अध्यक्ष नलिन कुमार कतील और प्रताप सिमहा सहित नौ मौजूदा सांसदों को हटा दिया है। आठ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा अभी बाकी है।

लिंगायतों के प्रभाव वाली सीटें हुबली-धारवाड़ (एच-डी), हावेरी और बेलगाम हैं। जहां केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को हुबली-धारवाड़ से मैदान में उतारा गया है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को हावेरी से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि शेडार को बेलगाम मिलने की संभावना कम है क्योंकि वह बनजिगा लिंगायत हैं और लिंगायतों के संख्यात्मक रूप से मजबूत पंचमशाली संप्रदाय को अभी तक समायोजित नहीं किया गया है।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेन्ट्रल) रूल्स, 1956 के अन्तर्गत त्रैमासिक Swasthya Spectrum समाचार-पत्र के सम्बंध में स्वामित्व एवं अन्य विवरण विषयक जानकारी

घोषणा फार्म -4 (नियम 8 देखिए)

1. प्रकाशन का स्थान	6/1, परदेशीपुरा, नियर जाट धर्मशाला, इंदौर
2. प्रकाशन अवधि	त्रैमासिक
3. मुद्रक का नाम	अभ्युदय वर्मा
नागरिकता	भारतीय
पता	6/1, परदेशीपुरा, नियर जाट धर्मशाला, इंदौर
4. प्रकाशक का नाम	अभ्युदय वर्मा
नागरिकता	भारतीय
पता	6/1, परदेशीपुरा, नियर जाट धर्मशाला, इंदौर
5. सम्पादक का नाम	अभ्युदय वर्मा
नागरिकता	भारतीय
पता	6/1, परदेशीपुरा, नियर जाट धर्मशाला, इंदौर
6. स्वामित्व का नाम	हेल्थकेयर वेलफेयर एसोसिएशन
नागरिकता	भारतीय
पता	6/1, परदेशीपुरा, नियर जाट धर्मशाला, इंदौर

मैं अभ्युदय वर्मा, एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सही है।

दिनांक 15 मार्च, 2024

अभ्युदय वर्मा
प्रकाशक/मुद्रक

मुद्रक एवं प्रकाशक अभ्युदय वर्मा द्वारा हेल्थकेयर वेलफेयर एसोसिएशन के पक्ष में राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 6/1, परदेशीपुरा, नियर जाट धर्मशाला, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : अभ्युदय वर्मा* (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)